

प्रेषक,

शत्रुघ्न सिंह,  
मुख्य सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

1. समस्त अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
2. मण्डलायुक्त, कुमायूं एवं गढ़वाल मण्डल।
3. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
4. समस्त विभागाध्यक्ष, उत्तराखण्ड।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक 05 अक्टूबर, 2016

विषय: विश्व खाद्य दिवस (16 अक्टूबर) को "खाद्य अपशिष्ट निवारण दिवस (Prevention of Food Wastage Day)" के रूप में मनाये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

यह देखने में आया है कि सामाजिक समारोहों जैसे शादी, पार्टी एवं मीटिंग आदि में अत्यधिक मात्रा में पके हुये भोजन की बर्बादी होती है जिससे एक ओर खाद्यान्नों का अभाव एवं मूल्यों में वृद्धि होती है तथा दूसरी ओर जरूरतमन्दों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप खाद्यान्न नहीं मिल पाता है। खाद्यान्नों की यह बर्बादी उत्पादन से लेकर उपभोग के विभिन्न स्तरों पर विभिन्न अनुपात में होती देखी गयी है। देश की सम्पूर्ण आबादी के दृष्टिगत पर्याप्त अनाज के उत्पादन के उपरान्त भी मूल्यों में वृद्धि के कारण अनेक परिवार खाद्यान्न की अपनी दैनिक आवश्यकता भी पूर्ण नहीं कर पाते हैं।

इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि प्रत्येक वर्ष 16 अक्टूबर को विश्व खाद्य दिवस के रूप में मनाया जाता है जिसके परिप्रेक्ष्य में उत्तराखण्ड राज्य द्वारा वर्ष 2016 से विश्व खाद्य दिवस को "खाद्य अपशिष्ट निवारण दिवस (Prevention of Food Wastage Day)" के रूप में मनाते हुये ग्राम पंचायत/क्षेत्र पंचायत/जिला पंचायत/समस्त शासकीय/अर्द्धशासकीय कार्यालयों/शैक्षणिक संस्थानों/निजी क्षेत्रों/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम/स्थानीय निकाय के स्तर पर दिनांक 14 अक्टूबर 2016 से दिनांक 16 अक्टूबर 2016 तक विचार गोष्ठी/प्रतियोगिता/नुकड़ नाटक आयोजित किये जाने का निर्णय लिया गया है।

“खाद्य अपशिष्ट निवारण दिवस” कार्यक्रम के निर्णय के दृष्टिगत निम्नलिखित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने का कष्ट करें:-

- 1- दिनांक 14.10.2016 को प्रदेश स्तर पर प्रातः 11.00 बजे संलग्न प्रारूप के अनुसार त्रिस्तरीय पंचायत, स्थानीय निकाय, समस्त शैक्षणिक संस्थान, व्यावसायिक संस्थान, फैक्ट्रियाँ, शासकीय कार्यालयों, निजी क्षेत्र के कार्यालय/उपक्रम, होटल/रेस्टोरेंट, विवाह स्थलों (Banquet Hall) के समस्त जनप्रतिनिधियों/अधिकारियों/कर्मचारियों/छात्र-छात्राओं एवं नागरिकों को शपथ दिलायी जायेगी।
- 2- स्कूलों व कालेजों में दृश्य एवं श्रव्य माध्यमों के द्वारा खाद्यान्न की बर्बादी के सम्बन्ध में विद्यार्थियों को जागरूक किया जाय, साथ ही हर स्तर पर खाद्यान्न की बर्बादी रोकने हेतु सम्भव उपायों से अवगत कराया जाय तथा विषय के महत्व के बारे में गोष्ठियाँ एवं प्रतियोगितायें आयोजित करने के लिये प्रोत्साहित किया जाय। इन गोष्ठियों एवं प्रतियोगिताओं में खाद्यान्न की बर्बादी से होने वाले नुकसान से प्रत्येक नागरिक को अवगत कराया जाय।
- 3- प्रत्येक नागरिक को खाद्यान्न की बर्बादी के प्रति संवेदनशील बनाया जाय तथा उत्पादन से लेकर उपभोग के प्रत्येक स्तर तक खाद्यान्न की किसी भी रूप में बर्बादी रोकने हेतु प्रोत्साहित किया जाय।
- 4- ऐसे स्वयं सेवी संस्थाओं को चिन्हित किया जाय जो अधिशेष भोजन को संग्रह कर गरीबों में वितरित करते हैं। ऐसे स्वयं सेवी संस्थाओं का व्यापक प्रचार प्रसार किया जाय जिससे जनसामान्य में खाद्यान्न की अधिशेष की स्थिति में इन स्वयंसेवी संस्थाओं से त्वरित रूप से सम्पर्क स्थापित किया जा सके।
- 5- Indian Institute of Public Administration की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत सरकार में हर साल 23 करोड़ टन दाल, 12 करोड़ टन फल एवं 21 टन सब्जियाँ वितरण प्रणाली में खामियों में चलते खराब हो जाती है तथा उत्सव, समारोह, शादी-ब्याह आदि में बड़ी मात्रा में पका हुआ खाना बर्बाद कर दिया जाता है, अतः हर स्तर पर खाद्यान्न की बर्बादी रोकने हेतु हर सम्भव प्रयास किया जाना जरूरी है जिस हेतु राज्य के प्रत्येक नागरिक को जागरूक किये जाने का प्रयास किया जाय।

25/11

- 6- विभिन्न होटलों, कैन्टीनों एवं कम्पनियों में नोटिस बोर्ड पर खाने की बर्बादी से होने वाले नुकसान से लोगों को श्रव्य-दृश्य के माध्यम से जागरूक किया जाय।
- 7- विश्व खाद्य दिवस के परिप्रेक्ष्य में खाने की महत्ता तथा उसकी बर्बादी से बचाव हेतु विभिन्न विभागों, जनपदों, पार्टनर एजेन्सियों, युवा संगठनों यथा एनसीसी, एनएसएस, युवा कार्यकर्ता एवं महिला मंगलदल, आशा, आंगनबाड़ी के साथ-साथ विभिन्न कॉरपोरेट, बैंक, औद्योगिक एवं व्यापारिक संगठनों, एनजीओ, सामाजिक एवं स्वयंसेवी संगठनों, सोशल/चैरिटी क्लबों, कॉरपोरेट क्लबों आदि की कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी के तहत व्यापक सहभागिता/योगदान सुनिश्चित किया जाय।
- 8- राज्य स्तर पर विश्व खाद्य दिवस के अन्तर्गत "खाद्य अपशिष्ट निवारण दिवस मनाये जाने हेतु मुख्य कार्यक्रम देहरादून में आहूत किया जायेगा जिसके लिये आयुक्त, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग को नोडल अधिकारी तथा जिलाधिकारी, देहरादून को सहायक नोडल अधिकारी नामित किया जाता है।
- 9- राज्य के समस्त जनपदों में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में एक परामर्शदात्री समिति का गठन किया जाय जिसमें प्रत्येक जनपद के जिलापूर्ति अधिकारी पदेन सदस्य सचिव होंगे तथा सभी सरकारी विभागों, शैक्षिक संस्थाओं आदि के प्रतिनिधियों को शामिल किया जाय। कार्यक्रम स्थानीय सहूलियत और आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर बनाया जाय।
- 10- समस्त शिक्षण संस्थाओं में इस अवसर पर ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन किया जाय, जिसमें विद्यार्थियों को संक्षेप में भोजन की बर्बादी के सम्बन्ध में ज्ञानवर्धक तथ्यों से अवगत कराते हुये ऐसे प्रेरक प्रसंग दोहराये जाये जिससे खाद्यान्न के प्रति संवेदनशीलता विकसित हो। शिक्षण संस्थाओं में नाटक, विचार गोष्ठी एवं निबंध प्रतियोगितायें भी यथासम्भव करायी जाये। इस सम्बन्ध में महानिदेशक, शिक्षा विभाग, निदेशक उच्च शिक्षा/प्राविधिक शिक्षा/चिकित्सा शिक्षा/आयुष शिक्षा/तकनीकी शिक्षा/कृषि शिक्षा अपने स्तर से भी यथोचित आदेश पृथक से जारी करेंगे तथा आयोजन के उपरान्त वस्तुस्थिति से शासन को भी अवगत करायेंगे।
- 11- समस्त विभागाध्यक्ष इस कार्यक्रम/आयोजन में पदेन नोडल अधिकारी होंगे तथा अपने स्तर से यथावश्यक दिशानिर्देश जारी करना सुनिश्चित करेंगे।

- 12- प्रश्नगत आयोजन में पर्यटन विभाग/औद्योगिक विकास/सूक्ष्म एवं लघु उद्योग विभाग/स्थानीय निकाय (शहरी विकास)/पंचायती राज विभाग की भूमिका अहम है इसलिये इन विभागों के विभागाध्यक्ष विशेष रूप से अपने स्तर से अधीनस्थ कार्यालयों/संस्थाओं इत्यादि में यथोचित आदेश निर्गत करते हुये निर्धारित समयान्तर्गत शपथ दिलाया जाना सुनिश्चित करेंगे तथा आयोजन के उपरान्त वस्तुस्थिति से शासन को भी अवगत करायेंगे।
- 13- विश्व खाद्य दिवस के परिप्रेक्ष्य में प्रत्येक वर्ष खाद्य अपशिष्ट निवारण दिवस मनाने के लिये प्रत्येक जिलाधिकारी, पिछले वर्षों के आयोजनों की समीक्षा कर उन अनुभवों को सम्मिलित करते हुये आगामी वर्षों में उक्त कार्यक्रम को और भी भव्य रूप से आयोजित करेंगे।

संलग्नक-यथोक्त।

भवदीय,

(शत्रुघ्न सिंह)

मुख्य सचिव

संख्या 696 / 16-XIX-2/75 खाद्य/2011/पार्ट-2

प्रतिलिपि- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

- 1- सचिव, श्री राज्यपाल, उत्तराखण्ड।
- ✓ 2- सचिव, मा0 मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड।
- 3- वरिष्ठ निजी सचिव, मा0 मंत्री, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग उत्तराखण्ड।
- 4- महानिदेशक, सूचना एवं लोकसम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड।
- 5- महानिदेशक, शिक्षा विभाग, उत्तराखण्ड देहरादून।
- ✓ 6- निदेशक, एन0आई0सी0 उत्तराखण्ड।
- 7- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(आनन्द बर्द्धन)

सचिव

## विश्व खाद्य दिवस हेतु शपथ पत्र

मैं..... विश्व खाद्य दिवस के अवसर पर यह शपथ लेती/लेता हूँ कि सर्वप्रथम, अपनी सोच, मानसिकता, आदतें, व्यवहार एवं जीवनशैली में परिवर्तन लाऊँगी/लाऊँगा और आज से अपने जीवन काल में, घर में, विद्यालय में, होटलों आदि में किसी भी स्थान अथवा किसी भी अवसर पर, जाने अनजाने में भी, अन्न की किसी भी रूप में, जैसे- कच्चा खाना, पक्का खाना, प्रोसेस्ड खाद्य एवं पेय की बर्बादी नहीं करूँगी/करूँगा।

आज मैं तन, मन, धन से यह भी प्रतिज्ञा करती/करता हूँ कि अपने परिवार विद्यालय, कार्यालय, मित्रों एवं आसपास के समाज में अधिक से अधिक लोगों को अन्न की बर्बादी न करने के लिए प्रेरित करूँगी/करूँगा एवं उन्हें इस कार्य में अपना योगदान देने के लिए आमंत्रित करूँगी/करूँगा।

धन्यवाद।

8/11/21